THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF STEEL, MINES AND METALS (SHRI P. C. SETHI) : (a) and (b). Yes, Sir. The production in the Zinc Smelter, which had been temporarily suspended from 26-7-1968 to 15-9-1968, was resumed from the 16th September, 1968. The temporary suspension of production was mainly due to the accumulation of stock of single superphosphate produced in the factory, upto the storage capacity. The single superphosphate is produced as a by-product from sulphuric acid which inevitably arises in the process of zinc smelting. There has been no possibility of alternative sale of sulphuric acid also in the area due to lack of demand and transport difficulties.

(c) The approximate loss of production during the above period would be as follows :—

(i) Zinc Cathodes sheets 2,600 tonnes.

(ii) Superphosphate 11,400 tonnes.

SOVIET EXPERTS IN BOKARO STEEL PLANT

*51. SHRI A. SREEDHARAN :
SHRI RAM KISHAN GUPTA :
SHRI SITARAM KESRI :

Will the Minister of STEEL, MINES AND METALS be pleased to state :

(a) whether it is a fact that Soviet Government has not accepted India's suggestion to reduce the number of Soviet Experts at the Bokaro Steel Plant; and

(b) if so, the reaction of Government thereto ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF STEEL, MINES AND METALS (SHRI P. C. SETHI) : (a) No suggestion was made to the Soviet Government for reduction of the number of Soviet experts to be deputed for assistance in the construction of Bokaro Steel Plant.

(b) Does not arise.

INDUSTRIAL FINANCE CORPORATION

*52. SHRI INDRAJIT GUPTA :
SHRI YOGENDRA SHARMA :
SHRI S. A. AGADI :

Will the Minister of INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND COMPANY AFFAIRS be pleased to state :

(a) whether the Chairman of the Industrial Finance Corporation has indicated recently that the Corporation would not be in a position to provide financial assistance to textile cooperatives in future; and

(b) if so, the reasons that prompted the Chairman to make such a statement ?

THE MINISTER OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND COMPANY AFFAIRS (SHRI F. A. AHMED) : (a) and (b). The information is being collected and will be laid on the Table of the House.

राजनीतिक दलों को चन्दे

53. **श्री कुंवर लाल गुप्त :**
श्री वंश नारायण सिंह :

क्या **औद्योगिक विकास तथा समवाय-कार्य** मंत्री यह बतलाने की कृपा करेंगे कि :

(क) 1967 के आम चुनावों के बाद गैर-सरकारी समवायों से चन्दा प्राप्त करने वाले राजनैतिक दलों तथा राजनैतिक नेताओं के नाम क्या हैं तथा उनकी अलग-अलग कितनी राशि प्राप्त हुई है;

(ख) क्या सरकार को पता है कि कुछ राजनैतिक दलों और राजनैतिक नेताओं को कुछ समवायों से बिना किसी लेखे के चन्दे के रूप में बहुत बड़ी राशि प्राप्त हुई है;

(ग) यदि हां, तो क्या सरकार का विचार इस बारे में जांच करने का है; और

(घ) क्या यह सच है कि केन्द्रीय सरकार के कुछ यात्रियों को उत्तर प्रदेश तथा पश्चिम बंगाल में मध्यावधि चुनाव के लिये कुछ गैर-सरकारी समवायों से चन्दा प्राप्त हुआ है; और उन्होंने उक्त समवायों को कुछ सुविधायें प्रदान कर दी हैं ?

औद्योगिक विकास तथा समवाय कार्य मंत्री (श्री फखरुद्दीन अली अहमद) : (क) कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 293 ए में प्रत्येक कंपनी के लिये, कुल अंशदान दी गई राशि के ब्यौरे बताते हुए, तथा पार्टी, व्यक्ति अथवा निकाय जिनके लिये ऐसे अंशदान दिये गये, का नाम बताते हुए, उसके

उक्त आर्थिक वर्ष, जिससे यह राशि संबंधित हो, के लाभ हानि के लेखे में, प्रकट करना अपेक्षित है। तिथियों, जिनको यह अंशदान दिये गये थे, प्रकट करना उपेक्षित नहीं है। पुनः सम्पूर्ण कम्पनियों के आर्थिक वर्ष एक साथ नहीं पड़ते। अतः रजिस्ट्रारों के पास, कम्पनियों द्वारा मिसिल किये गये लेखाओं से इच्छित सूचना सुनिश्चतनीय नहीं है।

(ख) नहीं, श्रीमान्।

(ग) प्रश्न उत्पन्न नहीं होता।

(घ) सूचना संग्रह की जा रही है व सदन के पटल पर प्रस्तुत कर दी जायेगी।

CHECKING OF TICKETLESS TRAVELLING AT DELHI STATION

*54. SHRI B. K. DASCHOWDHURY : Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state :

(a) whether it is a fact that about one hundred student volunteers were posted recently at the Delhi Main Railway Station to check ticketless travelling;

(b) if so, whether this procedure proved helpful to Government;

(c) whether Government propose to ask the other Railways also to utilize the services of students to check the evil of ticketless travel; and

(d) the total income derived from this experiment by the Railways?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI C. M. POONACHA) : (a) and (b). Yes, Sir.

(c) Yes, Sir. Instructions have been issued to the Railways to utilize services of students on a purely voluntary basis to check the evil of ticketless travel.

(d) In the checks organized at Delhi Main, excess fare earnings amounting to Rs. 13,549 were realized. The earnings at the booking windows were higher by Rs. 2.28 lakhs than during the corresponding period in the preceding week. It naturally cannot be said how much of the excess fare earnings and of the increase in booking window earnings may be ascribed to students' participation in these checks.

So far as the overall impact of this experiment is concerned, thought it is not possible to say precisely what additional revenue the Railways may derive as a result of it the salutary effect of students volunteering to curb the evil of ticketless travel on the Indian Railways is of great value.

अल्मोनियम का उत्पादन

*55. **श्री महाराज सिंह भारती** : क्या **इस्पात, खान तथा धातु** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) चौथी पंचवर्षीय योजना के लिये अल्मोनियम के उत्पादन का क्या लक्ष्य निर्धारित किया गया है;

(ख) क्या उक्त लक्ष्य से घरेलू खपत, निर्यात और तांबे के स्थान पर प्रयोग करने के लिये अल्मोनियम की बढ़ती हुई मांग को पूरा करना संभव होगा;

(ग) यदि नहीं, तो आवश्यकताओं के अनुसार इसका विकास करने में क्या कठिनाइयां है; और

(घ) अल्मोनियम का उत्पादन करने में बिजली की भारी खपत को देखते हुए दीर्घकालिक आधार पर अधिक बिजली पैदा करने तथा इस उद्योग को बिजली सप्लाई करने के लिये क्या कार्यवाही की गई है अथवा की जा रही है?

इस्पात, खान तथा धातु मंत्रालय में **राज्य मंत्री (श्री प्र० चं० सेठी)** : (क) चौथी पंच वर्षीय योजना के दौरान एल्यूमिनियम उत्पादन के अभी तक कोई पक्के लक्ष्य अन्तिम रूप से निश्चित नहीं किये गये हैं। तथापि अलौह-धातुओं संबंधी आयोजना दल ने, जिसका गठन चतुर्थ पंचवर्षीय योजना के दौरान अलौह-धातुओं के उत्पादन के लिये आयोजनाओं/योजनाओं का प्रतिपादन करने के लिये किया गया था, 1973-74 तक मूल एल्यूमिनियम धातुओं के 3,26,000 मैट्रिक टन उत्पादन का अनुमान लगाया है।

(ख) हां, जी।